Abridged Profit and Loss Account
(Applicable from 17.4.1989), for the year

Particulars	Amount for the Current Financial Year	Amount for The Previous Financial Year
1. Income		
Sales/Servicesrendered		
Dividend		
Interest		
Other Income		
Total		
2. Expenditure		
Cost of goods sold		
(with details)		
.....		
.....		
.....		
3. Profit/Loss before Tax (1 and 2)		
4. Provision for Taxation		
5. Profit/Loss after tax		
6. Proposed Dividends		
7. Transfer to Reserve and Surplus.		

Please see Details

Profit and Loss Appropriation Account
(for the year ended 31st Dec.)

Prv. Year	Particular	Figures for the current year	Prev. year	Figure for the current year
	To Equity Dividend			
	To General Reserve		By Net Profit As per P & L A/C	
	To Debenture Redem. Fund			
	To Balance C/d.			

Note : Please see details.

Scanned with CamScanner

1.2.3 आर्थिक चिट्ठा

कम्पनी अधिनियम की धारा 211 के अनुसार प्रत्येक कम्पनी को अपने वित्तीय वर्ष के अन्तिम दिन एक आर्थिक तैयार करना है। यह चिट्ठा कम्पनी का सच्चा और उचित चित्र उपस्थित करता है।

आर्थिक चिट्ठा का प्रारूप सूची 6 में दिया हुआ है और उसी के अनुरूप होना चाहिए। चिट्ठा बनाते समय उन सूचनाओं पर पूरा पूरा ध्यान देना चाहिए जो चिट्ठा बनाने के सम्बन्ध में तलपट के बाहर दिया हुआ है। कम्पनी के प्रकाशित खातों में पहले चिट्ठा और बाद में लाभ हानि खाता बनाया जाता है।

चिट्ठा निम्नांकित दो प्रारूपों में से किसी एक प्रारूप में हो सकते हैं

(1) ऊर्ध्वाधर (Vertical Form) या

(2) क्षैतिज प्रारूप (Horizontal Form)

दोनों प्रारूप, इस पाठ के अन्त में नमूना के रूप में दिया गया है। कम्पनी का चिट्ठी बनाते समय विशेष ध्यान देने योग्य बातें निम्नलिखित हैं

(1) कोष के विभिन्न साधनों को अलग शीर्षक में दिखाना है।

(2) कोष के विभिन्न प्रयोगों को क्रमशः दिखाना है।

(3) ह्रास प्रत्येक सम्पत्ति में से (अगर दिया है तो) घटाना चाहिए।

(4) ऋण पत्रों पर ब्याज पूरे वर्ष का निकालना चाहिए। अगर तलपट में कम रकम दी गयी हो तो जितना कम हो उसका समयोजन करना चाहिए।

(5) समायोजनाओं के लेखे करना आवश्यक है।

(6) प्रारम्भिक व्यय, अभिगोपन कमीशन, अंशों और ऋण पत्रों पर कटौती जैसे व्ययों के शेष को सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जायेगा तथा प्रत्येक वर्ष में कुछ रकम अपलिखित कर दी जायेगी।

(7) लाभ हानि खातों में अगर लाभ है तो दायित्व में और हानि है तो सम्पत्ति पक्ष में लिखन चाहिए।

Scanned with CamScanner